Ancient Vedic Mantras and Rituals

Masik Shivratri | जानिए इस महीने की मासिक शिवरात्रि तिथि और पूजा का शुभ मुहूर्त | PDF

मासिक शिवरात्रि भगवान शिव की आराधना और उपासना का विशेष दिन है। यह व्रत हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। मासिक शिवरात्रि का महत्व साल में एक बार आने वाली **महाशिवरात्रि** से जुड़ा है, लेकिन यह हर महीने भगवान शिव को प्रसन्न करने का अवसर प्रदान करती है।

2026 में मासिक शिवरात्रि कब है?

हिंदू पंचांग के अनुसार, कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत **15 मई** 2026 को सुबह 8 बजकर 31 मिनट से होगी और इस तिथि का **समापन 16 मई** 2026 को सुबह 05 बजकर 11 मिनट पर होगा। ऐसे में मासिक शिवरात्रि का व्रत **15 मई** को रखा जाएगा।

मासिक शिवरात्रि व्रत कैसे करें?

1. व्रत का नियम और प्रारंभ:

- व्रतकर्ता को एक दिन पहले सात्विक भोजन करना चाहिए।

- व्रत वाले दिन ब्रह्ममुहूर्त में उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- भगवान शिव का ध्यान करते हुए व्रत रखने का संकल्प लें।

2. शिवलिंग का अभिषेक:

- भगवान शिव की पूजा के लिए शिवलिंग पर जल, दूध, शहद और गंगाजल चढ़ाएं।
- बेलपत्र, धतूरा, चंदन, और अक्षत अर्पित करें।
- भगवान शिव को भस्म और भोग (गुड़, फल, या मिठाई) चढ़ाएं।

3. पूजा का समय:

- दिनभर उपवास रखें और भगवान शिव का नाम जपें।
- प्रदोष काल (संध्या के समय) में शिव पूजा करें।
- रात्रि में जागरण करते हुए शिव चालीसा, शिव पुराण, या "ॐ नमः शिवाय" का जाप करें।

4. आरती और व्रत का समापन:

- रात्रि में भगवान शिव की आरती करें।
- अगले दिन सूर्योदय के बाद व्रत का पारण करें और ब्राह्मणों को दान दें।

मासिक शिवरात्रि का महत्व

1. **आध्यात्मिक शुद्धि**: मासिक शिवरात्रि व्रत करने से मन और आत्मा की शुद्धि होती है।
2. **पापों का नाश**: इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से जीवन के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं।
3. **मोक्ष की प्राप्ति**: शिवरात्रि व्रत मोक्ष प्रदान करने वाला माना गया है।
4. **सुख-शांति और समृद्धि**: भगवान शिव की कृपा से व्रत करने वाले को सुख-शांति और समृद्धि मिलती है।
5. **रोगों का नाश**: शिवरात्रि व्रत और पूजा से स्वास्थ्य में सुधार होता है।

व्रत के लाभ

1. भक्तों को भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है।
2. जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आती है।
3. दांपत्य जीवन में प्रेम और सामंजस्य बना रहता है।
4. स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलता है।
5. मोक्ष प्राप्ति के लिए यह व्रत अत्यंत फलदायी है।

मासिक शिवरात्रि पर क्या न करें :

मासिक शिवरात्रि पर भगवान शिव की कृपा पाने के लिए कुछ खास चीजें की जाती हैं और कुछ चीजों से बचा जाता है। आइए जानते हैं मासिक शिवरात्रि के दिन क्या करें और क्या न करें:

क्या न करें :

- मांस, मदिरा का सेवन न करें : व्रत के दौरान मांस, मदिरा और अन्य तामसिक भोजन से परहेज करें।
- क्रोध और लोभ से बचें : इस पवित्र दिन पर क्रोध, लोभ और ईर्ष्या जैसे नकारात्मक भावों से बचें।
- शिवलिंग की परिक्रमा पूरी तरह से न करें : कुछ मान्यताओं के अनुसार, शिवलिंग की पूरी परिक्रमा करने से बचना चाहिए। आप शिवलिंग को केवल एक तरफ से जल अर्पित कर सकते हैं।
- गाली-गलौच न करें : किसी की बुराई न करें और मर्यादित वाणी का प्रयोग करें।
- शोक मनाना : मासिक शिवरात्रि के दिन किसी भी प्रकार का शोक मनाने से बचें।

मासिक शिवरात्रि भगवान शिव के प्रति भक्ति और समर्पण का अनूठा दिन है। इसे श्रद्धा और विश्वास से मनाने पर भगवान शिव की कृपा से हर कष्ट दूर होता है और जीवन में आनंद आता है।

RELATED ARTICLE

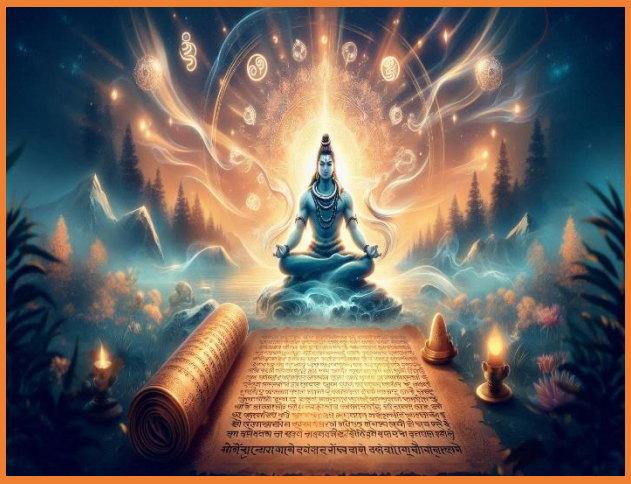

महामृत्युंजय मंत्र

शिव जी व्रत कथा

THANKS FOR READING

READ MORE RELIGIOUS CONTENT ON

vedicprayers.com

VEDIC PRAYERS